DR.MALA KUMARI
ASSISTANT PROFESSOR (GUEST TEACHER)
DEPARTMENT OF PSYCHOLOGY
A.N.D COLLEGE SHAHPUR PATORY,SAMASTIPUR
B.A –PART 1 PSYCHOLOGY (HONS)
PAPER-2 ,UNIT-8,
POPULATION :INTRODUCTION
LECTURE-43

POPULATION:INTRODUCTION

जनसंख्या:परिचय

भारत में एक प्रमुख सामाजिक समस्या जनसंख्या विस्फोट की है |जनसंख्या विस्फोट का सामान्य अर्थ देश के संसाधनों की तुलना में जनसंख्या या व्यक्तियों की संख्या में बेताहाशा ग्रोथ से होती है जिससे देश की अर्थव्यवस्था में अस्त-व्यवस्तता तथा समस्याएँ उत्पन्न हो जाती है |चीन के बाद भारत विश्व का दूसरा ,अमेरिका तीसरा तथा रूस चौथा सबसे बड़ा देश है |इन देशों की पूरे विश्व में जनसंख्या प्रतिशत इस प्रकार है –चीन (21.7%),अमेरिका (6%)तथा रूस (5%)| भारत,चीन,अमेरिका तथा रूस चारो देशो को मिलाकर विश्व की जनसंख्या की लगभग आधी (48.7%) जनसंख्या होती है |

जैसा की हम जानते है भारत में सन 1872 में पहली बार जनगणना संपन्न हुई थी परन्तु जनसंख्या का क्रमवार आकलन 1881 से किया जा रहा है |1891 में भारत की कुल जनसंख्या 23.6 CR थी जो एक मार्च 2001 में बढ़कर 102.87CR हो गयी |इस जनसंख्या में पुरुष जनसंख्या 53.22CR (कुल जनसंख्या का 51.73%)स्त्री जनसंख्या 49.65CR (कुल जनसंख्या का 48.23%)थी | 1991की जनसंख्या की तुलना में 2001 में जनसंख्या में कुल 18.23CR व्यक्तियों की ग्रोथ हुयी है इसका मतलब यह हुआ है की 1991 से 2001 के दशक में भारत की जनसंख्या में 21.54% की ग्रोथ हुई है |2001 की जनगणना के अनुसार देश में जनसंख्या का घनत्व 325 व्यक्ति वर्गकिलोमीटर था |2001 के ही जनगणना के अनुसार देश में स्त्री पुरुष अनुपात 933 महिलाएं प्रति हज़ार पुरुष रहा |राज्यों में प्रतिहजार पुरुषों पर महिलाओं की सर्वाधिक जनसंख्या केरल में रही जो 1058 महिलाएं प्रति हज़ार पुरुष थी तथा सबसे कम हरियाणा में अर्थात 861 महिलाएं प्रति हज़ार पुरुष थी |2001 के जनगणना के अनुसार देश में अनुसूचित जाती की जनसंख्या 16.66CR अर्थात कुल जनसंख्या का 16.2% तथा अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या 8.43CR अर्थात कुल जनसंख्या का 8.2% रहा |धर्म के आधार पर भारत की जनसंख्या के 2001

के आंकड़ो को संसोधित कर के 9 सितम्बर 2004 को जारी किये गए जिसके अनुसार देश की कुल 1.028 अरब जनसंख्या में हिन्दुओं की जनसंख्या 82.8 कड़ोड़ (कुल जनसंख्या का 80.5% |),मुस्लिमों की जनसंख्या का 13.8CR (कुल जनसंख्या का 13.4%), ईसाईयों की जनसंख्या 2.40CR,सिक्ख की जनसंख्या 1.90CR,बौद्ध की जनसंख्या 79 लाख एवं जैन की जनसंख्या 42 लाख थी |भारत की जनसंख्या के ग्रोथ का यदि एक समग्र आकलन किया जाये तो यह कहा जा सकता है की भारत सभी विकासशील देशो के जनसांख्यिकी की संक्रमण के पैटर्न पर चल रहा है जो ‘उच्चजन्म दर –उच्च मृत्यु दर’ के आरंभिक स्तर से निकाल कर ‘उच्च जन्म दर-निम्न मृत्यु दर’ के मध्यवर्ती परिवर्तन चरण पर है | मई 2000 में गठित राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग की एक ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार अगले 26 वर्षो में (2026 में) देश की कुल जनसंख्या 140CR हो जायेगी | इस प्रकार 2001 की तुलना में जनसंख्या में ग्रोथ 37.1CR (36%) हो जायेगी | इसके चलते 2026 में जनसंख्या का घनत्व 426 व्यक्ति प्रतिवर्गकिलोमीटर हो जायेगी |2026 तक स्त्री पुरुष अनुपात 930:1000 तथा अपेक्षित जन्मदर 16 प्रति हज़ार तथा शिशु मृत्यु दर 40 प्रति हज़ार होने की संभावना व्यक्त की गयी है | अब देखना है की 2011 में प्रारम्भ किये

जाने वाले जनगणना के कार्य से किस तरह के चौकाने वाले आंकड़े सामने आते है |

1981-1991 के दशक में भारत की जनसंख्या 2.18% की वार्षिक दर से बढ़ी जबकि 1971-81 के दशक में 2.2% की दर से बढ़ी थी |1981-91 के दशक में भारत की जनसंख्या में कुल 16.09CR व्यक्तियों की ग्रोथ हुई जिसका अर्थ यह होता है की 1.60CR व्यक्तियों की प्रति वर्ष ग्रोथ या लगभग 44.72 हज़ार व्यक्तियों का प्रतिदीन ग्रोथ या 31.05 व्यक्तियों की प्रति वर्ष ग्रोथ या लगभग 44.72 हज़ार व्यक्तियों का प्रतिदीन ग्रोथ या 31.05 व्यक्तियों की प्रतिवर्ष ग्रोथ |परन्तु परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार भारत में प्रति मिनट ग्रोथ 49 तथा प्रति वर्ष ग्रोथ 1.70CR है (हिन्दुस्तान टाइम्स 23OCT 1992) वर्तमान शताब्दी के मध्य जनसंख्या ग्रोथ दर कम थी परन्तु अंतिम वर्षो में यह दर बढ़ गयी है | यदि हम उपर्युक्त आंकड़ो तथा परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा निर्गत आंकड़ो का विश्लेषण करे ,तो हम निम्नाकित निष्कर्ष पर पहुंचेंगे |

(1) पृथ्वी पर आज हर छठा व्यक्ति भारतीय है |

(2) भारत प्रत्येक तीन सप्ताह में अपनी जनसंख्या में करीब-करीब दस लाख व्यक्ति को जोड़ देता है |इसका मतलब

यह हुआ की भारतवर्ष प्रत्येक वर्ष अपनी जनसंख्या में एक ऑस्ट्रेलिया या एक श्रीलंका तथा प्रत्येक दस वर्ष में एक यूरोप के बराबर जनसंख्या जोड़ लेता है |

(3) भारत में वर्तमान जनसंख्या ग्रोथ दर 21.1% है तथा चीन में 1.2% है | इसका मतलब यह हुआ की जब चीन में जनसंख्या दुगनी होने में (1992 में चीनकी जनसंख्या 117$_{CR}$ थी) 60 वर्ष लगेंगे तो भारत में मात्र 34 वर्ष लगेंगे | इसका अर्थ तब यह भी निकलता है की 2025 तक भारत चीन को पीछे छोड़ कर संसार का सबसे अधिक जनसंख्या वाला राष्ट्र बन जाएगा क्योंकि उस समय तक भारत की जनसंख्या 138$_{CR}$ होगी जबकि चीन की 123$_{CR}$ |

(4) ग्रोथ की वर्तमान दर से अधिकतर भारतीयों का जीवन 35 से 40 वर्ष बाद कई कारणों से असहनीय हो जाएगा |

(5) प्रजनन अवधि को पार करने वाले दम्पतियों की तुलना में प्रतिवर्ष तीन गुना अधिक दंपत्ति उसमे प्रवेश करते है और इनकी जनन क्षमता प्रजनन क्षेत्र को छोड़ने वाले लोगों की जनन क्षमता की तुलना में तीन गुनी अधिक होती है |उपर्युक्त तथ्यों के आलोक में कहा जा सकता है

की हम चाहे जो भी उपाय करे , भारत में जिस गति से जनसंख्या में ग्रोथ हो रही है , वह निश्चित रूप से एक गंभीर चिंता का विषय है |